पतिृ पक्ष

चर्चा में क्यों?

पतिृ पक्ष , जसि श्राद्ध के नाम से भी जाना जाता है , **हदिू कैलेंडर के अनुसार एक महत्त्वपूर्ण समयावधि है जो** अपने पूर्वजों को श्रद्धांजलि देने हेतु समर्पति है।

- **2024 में पतिृ पक्ष 17 सतिंबर** को शुरू होगा और **2 अक्तूबर को** महालया या सर्व पतिृ अमावस्या के साथ समाप्त होगा।

प्रमुख बदिु

- पतिृ पक्ष हदिू धर्म में अत्यधकि आध्यात्मकि और धार्मकि महत्त्व रखता है। ऐसा माना जाता है कि इस अवधि के दौरान, मृत पूर्वजों की आत्माएँ अपने जीवति वंशजों से तर्पण प्राप्त करने हेतु पृथ्वी पर उतरती हैं।
    - **यह समय पतिृ दोष** (जो कि पूर्वजों के ऋण का प्रतीक है) से मुक्ति हेतु अनुष्ठान करने के लयि पवति्र माना जाता है ।
- **अनुष्ठान और अनुष्ठान:**
    - **पतिृ पक्ष के** दौरान कयि जाने वाले अनुष्ठानों को **श्राद्ध** के रूप में जाना जाता है ।
    - ये अनुष्ठान श्रद्धा और पवति्रता के साथ दविंगत आत्माओं की शांति सुनिश्चिति करने तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त करने हेतु **कयि जाते हैं।**
- **प्रमुख अनुष्ठानों में शामलि हैं:**
    - **पवति्र स्नान:** अनुष्ठान करने वाला व्यक्ति, आमतौर पर **सबसे बड़ा पुत्र**, पवति्र जल में स्नान करके शुरुआत करता है, जो शुद्धता का प्रतीक है।
    - **भोजन और वस्त्र भेंट करना:** घर पर आमंत्रति ब्राह्मणों को सात्वकि भोजन और वस्त्र भेंट कयि जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि ऐसा करने से पूर्वजों की आत्मा को शांति मिलती है।
    - **पतिृ तर्पण:** इसमें वशिष्टि मंत्रों का उच्चारण करते हुए पूर्वजों को जल और तलि अर्पति कयिा जाता है।
    - **पशुओं को भोजन करवाना:** इस अवधि के दौरान गाय, कुत्ते और कौवे को भोजन करवाना अत्यधकि शुभ माना जाता है।
- **सांस्कृतकि और क्षेत्रीय प्रथाएँ**
    - **भारत के वभिन्नि क्षेत्रों में पतिृ पक्ष मनाने के अलग-अलग तरीके हैं। उदाहरण के लयि, बहिार** का **गया** शहर इस अवधि के दौरान महत्त्वपूर्ण अनुष्ठान आयोजति करने हेतु प्रसद्धि है।
    - कई लोग **पतिृ तर्पण** करने के लयि **गंगा घाट पर जाते हैं**, क्योंकि उनका मानना है कि यह वशेिष पुण्यदायी है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pitru-paksha